

91

कान्हा तेरी - गैल चलत मैं हारी ॥२॥

कन्हैया तेरी - चलत गैल मैं हारी

कलयुग घोर-भयो-मेरे कान्हा sss

भूल गये नर-नारी...

कान्हा तेरी-----

सकरी गैल - सत्य की लागे sss

जगत रीत भई - न्यारी

कान्हा तेरी-----

सुनत सत्य सबकी - माँत डोली sss

धरनी भार भयो भारी

कान्हा तेरी-----

काम-क्रोध-मद-मोह-लोभ में sss

फसकर बना पुजारी

कान्हा तेरी-----

जीने की विधि-हँस के पाई

भाग्यहीन संसारी

कान्हा तेरी-----

सुनत पुकार "श्रीबाबा श्री" मेरे आना sss

आज फसी मेरी बारी.

कान्हा तेरी-----